IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# प्राचार्यों क समय प्रबंधन पर एक अध्ययन

**तुकेश कुमार,शोधार्थी** (शिक्षा) हेमचंद यादव विश्वविद्यालय,दुर्ग (छत्तीसगढ़)

**डॉ. प्रभा.आर.कुरुप (सहायक प्राध्यापक)** मैत्री कालेज, रिसाली, भिलाई,(छत्तीसगढ़)

**डॉ. पुष्पलता शर्मा (पूर्व विभागाध्यक्ष)** शिक्षा संकाय,कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,सेक्टर–7 भिलाई,(छत्तीसगढ़)

## शोध सार

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के बेमेतरा जिले में संचालित शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत् 90 प्राचार्यों का उनके समय प्रबंधन पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन हेतु यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श के रुप में चयन किया गया। प्राचार्यों की समय प्रबंधन मापन के लिए धार एवं धार (2015) द्वारा निर्मित समय प्रबंधन मापनी का उपयोग कर प्राप्त आंकड़ों का औसत मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन ज्ञात कर परिणामों की व्याख्या उपरांत् निष्कर्ष में शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के समय प्रबंधन में सार्थक अंतर नही पाया गया।जो यह दर्शाता है कि समय प्रबंधन दक्षता प्राचार्य के व्यक्ति आदतों में से एक है, जो उनके स्वंय के दुष्टिकोण पर निर्भर करता है ना की शाला के प्रकार पर।स्पष्टतः जो प्राचार्य समय नियोजन का पालन कर विद्यालय की समस्त गतिविधियों को समय पर क्रियान्वित करते है उनके विद्यालय का शैक्षिक परिणाम उच्च तथा विद्यालय संगठन में सामंजस्यपूर्ण वातावरण पाया जाता है।

**मुख्य शब्दः** उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, समय प्रबंधन

## प्रस्तावना

विद्यालय संगठन में प्राचार्य वह आधार स्तंभ है,जिस पर विद्यालय की प्रशासनिक,शैक्षिक एवम् व्यक्तिगत् समस्या का सार्थक समाधान के लिए समय का समुचित प्रबंधन आवश्यक होता है। विद्यालय के उत्तरोत्तर प्रगति के लिये बेहतर समय नियोजन करना प्रत्येक प्राचार्य के लिए आवश्यक है क्योकि निर्धारित समय में लक्ष्य को पूरा करने का कार्य दबाव प्रत्येक विद्यालय प्राचार्य के समक्ष प्रतिदिन आता है, और जो प्राचार्य उचित समय प्रबंधन में दक्ष होगा वही कार्य दबाव में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। श्रेष्ठ प्रशासक होते वे होते है जो समय का बेहतर सदुपयोग करते है। प्राचार्यो में बेहतर समय प्रबंधन से उनके प्रशासनिक दक्षता और प्रभावशीलता में वृद्वि होती है।

## संबंधित साहित्य का अध्ययन

**एकुंदायो (2013)** ने प्राचार्यों के समय प्रबंधन कौशल और प्रशासनिक प्रभावशीलता पर शोध अध्ययन नाईजीरिया के ओन्जे,एकीटी और ओसुन राज्यों में संचालित उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के 200 प्राचार्यों और 600 शिक्षकों पर किया। आंकड़ो का संकलन वर्णात्मक सर्वेक्षण विधि द्वारा किये जाने पश्चात् विश्लेषण आकृति गणना,साधारण प्रतिशत, माध्य और विचलन का उपयोग कर किया गया। अध्ययन निष्कर्ष में प्राचार्यो के समय प्रबंधन और प्रभावशीलता का स्तर उच्च पाया गया। वही प्राचार्यो में समय प्रबंधन के बाधक के रुप में स्कूल के आपातकालिक मामलों में त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता, शिक्षा विभाग की सूचना का तत्काल जवाब की आवश्यकता पाया गया।

प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर प्राचार्यो से अपने समय प्रबंधन को गतिशीलता प्रदान करने के साथ प्रशासनिक प्रभावशीलता को बनाये रखने की सिफारिश किया गया।

**खान एवं अन्य (2015)** ने प्राचार्यों के समय प्रबंधन प्रक्रियाओं पर स्कूल के स्तर, तथा जटिल, प्रशिक्षण का प्रभाव विषय पर अध्ययन किया। न्यादर्श के रूप में खैबर पख्तूनख्वा के 7 जिलों में से 344 माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यों का स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया। आँकड़ों के संकलन के लिए प्रश्नावली प्रशासन उपरांत् परिणाम में स्कूल के स्तर और स्कूल की जटिलता के आधार पर प्राचार्यों के समय प्रबंधन प्रभाव में सार्थक अंतर पाया गया। वहीं उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यों का समय प्रबंधन कौशल सर्वोच्च एवं माध्यमिक शाला के प्राचार्यो का समय प्रबंधन कौशल अति निम्न पाया गया। प्रशिक्षण के आधार प्राचार्यों की समय प्रबंधन प्रथाओं में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। स्कूल के स्तर का प्राचार्यों की समय प्रबंधन प्रथाओं पर सार्थक प्रभाव पाया गया।

**ओगुनाबियी (2015)** ने उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों में प्राचार्यों की समय प्रबंधन और प्रशासनिक प्रभावशीलता का अध्ययन एकीटीनॉर्थ सीनेटरियल जिला के उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के 264 शिक्षक एवं 20 प्राचार्यों पर किया। अध्ययन का उद्देश्य प्रशासनिक प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए प्राचार्य समय प्रबंधन की कौन–कौन सी रणनीतियों का उपयोग करतें है ज्ञात करना था। अध्ययन हेतु वर्णात्मक सर्वेक्षण पद्वति का प्रयोग करके सरल यादृच्छिक पद्वति से आंकड़ों का संकलन किया गया। प्राप्त आंकड़ो का विश्लेषण अनुमानात्मक सांख्यिकी का प्रयोग कर किया गया। निष्कर्ष में सफल समय प्रबंधन से प्राचार्यो के व्यक्तिगत जीवन में उत्साह, घर और विद्यालय के कार्य में उपलब्धि तथा ज्यादा संतोषजनक प्रशासनिक प्रभावशीलता पाया गया। बेहतर प्रशासनिक प्रभावशीलता बनाये रखने हेतु प्राचार्य को विद्यालय के गतिशील वातावरण में समय प्रबंधन की रणनीतियों को अपनाने के पूर्व उनका मूल्यांकन करना पाया गया।

**हुसैन एवं अन्य (2019)** ने पंजाब राज्य के होशियारपुर जिले में संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य के बीच समय प्रबंधन अभ्यास और प्रशासनिक संतुष्टि का अध्ययन किया। अध्ययन हेतु सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत 100 प्राचार्यों को यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श के रूप में चयन किया गया। आँकड़ों का संकलन स्वनिर्मित प्रश्नावली द्वारा करने उपरांत् समय प्रबंधन अभ्यास और प्रशासनिक संतुष्टि का मापन किया गया। आंकड़ों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन और सहसंबंध द्वारा किया गया। निष्कर्ष में पुरुष प्राचार्यो द्वारा महिला प्राचार्यो की तुलना में समय का बेहतर तरीके से प्रबंधन पाया गया। पुरुष प्राचार्यों में प्रशासनिक संतुष्टि का स्तर महिला प्राचार्यों की अपेक्षा अधिक पाया गया। अध्ययन में माध्यमिक विद्यालय प्रशासन में समय प्रबंधन और प्रशासन संतुष्टि के बीच सकारात्मक संबंध पाया गया।

**गुस्ताफसन एवं अन्य (2021)** ने उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों में समय प्रबंधन का दक्षिण अफ्रीका के मोपानी जिले, लिम्पोपा प्रांत में संचालित 360 स्कूलों के प्राचार्यो पर व्यक्तिगत् साक्षात्कार विधि का प्रयोग कर किया। प्राप्त आंकड़ों का खोजपूर्ण विधि से विश्लेषण पश्चात् निष्कर्ष में प्राचार्य समय प्रबंधन कौशल का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में विफल पाये गये परिणामस्वरुप वे शिक्षण प्रबंधन में असफल पाये गये।

**मैरी मुगवे चुई (2025)** ने शिक्षकों के प्रदर्शन के निर्धारकों के रुप में प्राचार्यो की समय प्रबंधन नीतियॉ विषय पर अध्ययन केन्या के किम्बू काउंटी स्थित उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के 36 प्राचार्यों एवं 288 शिक्षकों पर किया। अध्ययन हेतु आंकड़ो का संकलन यामाने सूत्र का उपयोग कर किया। प्राप्त आंकडों का विश्लेषण पियर्सन सहसंबंध का उपयोग कर वर्णात्मक विधि से किया। अध्ययन का उद्देश्य शिक्षकों के शैक्षिक प्रदर्शन में प्राचार्यों की समय प्रबंधन नीतियों के प्रभाव का अध्ययन करना था।विश्लेषण से प्राप्त परिणामों में जिन शिक्षकों में समय प्रबंधन का अभाव था वे पाठ्यक्रम को निर्धारित अवधि में पूर्ण करने एवं विद्यार्थियों के उच्च प्रदर्शन में असफल पाये गये जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी उन्होने प्राचार्य के अनुचित प्रबंधन रणनीतियों व समय प्रबंधन नीतियों को ठहराया। आगे अध्ययन परिणाम में प्राचार्य शिक्षकों को समय पर जिम्मेदारियॉ नही देते पाये गये और ना ही प्रभावी समय प्रबंधन के लिये प्रभावी संचार माध्यमों का उपयोग करतें पाये गये। अध्ययन में प्राचार्यों हेतु प्रभावी समय प्रबंधन रणनीतियॉ एवं उचित प्रबंधन नीतियॉ अपनाने कि सुझाव दिया गया।

## संबंधित साहित्य की समीक्षा

**हुसैन एवं अन्य (2019)ओंगागा एवं स्तलिंग्स (2021)** ने निष्कर्ष में पुरुष प्राचार्यो द्वारा महिला प्राचार्यो की तुलना में समय का बेहतर प्रबंधन करना पाया। परिणाम स्वरुप पुरुष प्राचार्यों में प्रशासनिक संतुष्टि का स्तर महिला प्राचार्यों की अपेक्षा अधिक पाये जाने के साथ विद्यालय प्रशासन में समय प्रबंधन और प्रशासन संतुष्टि के बीच सकारात्मक संबंध पाया गया।**खान एवं अन्य (2015)** ने स्कूल के स्तर और स्कूल की जटिलता के आधार पर प्राचार्यों के समय प्रबंधन प्रभाव में सार्थक अंतर पाया। वहीं उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यों का समय प्रबंधन कौ"ाल उच्च एवं माध्यमिक शाला के प्राचार्यो का समय प्रबंधन कौ"ाल अति निम्न पाया। प्रशिक्षण के आधार प्राचार्यों की समय प्रबंधन प्रथाओं में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। स्कूल के स्तर का प्राचार्यों की समय प्रबंधन प्रथाओं पर सार्थक प्रभाव पाया गया। समय प्रबंधन में प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने से उनके निर्देशात्मक प्रभाव को बढ़ाने की योजना को मूर्त रूप दिए जाने का सुझाव दिया गया।।**ओगुनाबियी (2015)** ने अपने अध्ययन परिणाम में प्राचार्यो के सफल समय प्रबंधन का सकारात्मक परिणाम से व्यक्तिगत जीवन में उत्साह, घर और विद्यालय के कार्य में उपलब्धि तथा ज्यादा संतोषजनक प्रशासनिक प्रभावशीलता पाया। बेहतर प्रशासनिक प्रभावशीलता बनाये रखने हेतु प्राचार्य को विद्यालय के गतिशील वातावरण में समय प्रबंधन की रणनीतियों को अपनाने के पूर्व उनका मूल्यांकन करना पाया।**नगोवा (2011)** ने महत्वपूर्ण एवं अतिआव"यक कार्यो पर केन्द्रित ना करने एवं सूचीबद्व रुप से काम ना करने वाले प्राचार्यो में खराब समय प्रबंधन पाया। आगे परिणाम में नवीन सत्र प्रारंभ होने पर अधिका"ा ि"ाक्षक एवं छात्रों के शाला में सही समय पर उपस्थिति नही देने का नकारात्मक प्रभाव प्राचार्यों के समय प्रबंधन पर पाया।साथ ही ि"ाक्षकों के कक्षा में बिना पूर्व तैयारी तथा बिना पाठ योजना के जाने का नकारात्मक परिणाम अधिकारियों के समय प्रबंधन व्यवहार पर पाया गया।**एकुंदायो (2013)** ने प्राचार्यो के समय प्रबंधन और प्रभावशीलता का स्तर उच्च पाया।साथ ही प्राचार्यो में समय प्रबंधन के बाधक के रुप में स्कूल के आपातकालिक मामलों में त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता, शिक्षा विभाग की सूचना का तत्काल जवाब की आवश्यकता को पाया। प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर प्राचार्यो से अपने समय प्रबंधन को गतिशीलता प्रदान करने के साथ प्रशासनिक प्रभावशीलता को बनाये रखने की सिफारिश किया गया।**गुस्ताफसन एवं अन्य (2021)** ने जो प्राचार्य समय प्रबंधन कौशल का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में विफल पाये गये उनमें उनका शिक्षण प्रबंधन निम्न पाया गया।।**मैरी मुगवे चुई (2025)** ने परिणाम में शिक्षकों द्वारा पाठ्यक्रम को निर्धारित अवधि में पूर्ण नही होने एवं विद्यार्थियों के उच्च प्रदर्शन में असफल होने की पूर्ण जिम्मेदारी प्राचार्य के अनुचित प्रबंधन रणनीतियों के साथ निम्न समय प्रबंधन नीतियों को ठहराया। अध्ययन सुझाव में प्राचार्यों हेतु प्रभावी समय प्रबंधन रणनीतियॉ एवं उचित प्रबंधन नीतियॉ बनाने का सुझाव दिया गया।

## अध्ययन की आवश्यकता और महत्व

प्राचार्य विद्यालय संगठन का वह नेतृत्वकर्ता होता है जो यह जानता है कि बेहतर समय प्रबंधन से कर्मचारियों को विद्यालय के सर्वांगीण विकास में कैसे सहभागी बनाया जाए तथा विकट परिस्थितियों में भी बेहतर समय प्रबंधन की रणनीति से सर्वोत्तम परिणाम किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है।प्राचार्यो में विद्यालय से संबंधित बाह्य पहलुओं से जुड़ी कठिनाईयों से निपटने के लिए बेहतर समय प्रबंधन का होना आवश्यक है।उनके खराब समय प्रबंधन से शैक्षिक अधिकारियों, अभिभावकों, समाज और अन्य हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहने से उनकी काफी आलोचना की जाती है। समय प्रबंधन, समय का बेहतर उपयोग के रुप में परिभाषित किया जाता है। स्कूल प्रबंधन में प्राचार्य का बेहतर समय नियोजन विद्यालय के लिए महत्वपूर्ण होता हैं। प्राचार्य को अपने नियमित प्रशासनिक कार्य के विभिन्न पहलुओं में निर्णय लेने का दायित्व मिलता है, जो उचित समय प्रबंधन से संभव है। इस प्रकार समय प्रबंधन वह महत्वपूर्ण घटक है,जिसके अनुपालन से विद्यालय की सफलता निर्भर करती है।

प्राचार्यों के समय प्रबंधन मुख्य रुप से विद्यालय के उद्देश्यों और लक्ष्यों को प्रभावित करता है। पूर्व संबंधित साहित्य की समीक्षा में शोधकर्ता ने पाया कि समय प्रबंधन का अन्य कारकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव एवम् संबंधों पर अध्ययन किया किया गया है।उपरोक्त अध्ययनों के आधार पर यह स्पष्ट है कि समय प्रबंधन एक महत्वपूर्ण घटक है,जिसके नियोजन का सकारात्मक प्रभाव तथा अनियोजन का नकारात्मक प्रभाव विद्यालय संगठन पर पड़ता है।अतः शोधकर्ता द्वारा शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यों के समय प्रबंधन का तुलनात्मक अध्ययन विषय का चयन किया गया।

## जनसंख्या और न्यादर्श

छत्तीसगढ़ राज्य के बेमेतरा जिले में संचालित कुल 131 उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों से 45 शासकीय एवं 45 अशासकीय इस प्रकार कुल 90 उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यो का चयन यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग कर न्यादर्श के रुप में चयन कर उनका टी–स्कोर ज्ञात किया गया।

## अध्ययन के उद्देश्य

1. शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यो के समय प्रबंधन का तुलनात्मक अध्ययन।

## परिकल्पना

**$H_{1.0}$: शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यो के समय प्रबंधन में सार्थक अंतर नही पाया जाएगा।**

## अध्ययन का परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध छत्तीसगढ़ राज्य के बेमेतरा जिले के शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत् प्राचार्यों तक सीमित है।

2. वर्तमान शोध हेतु न्यादर्श के रुप में 45 शासकीय एवं 45 अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों का चयन किया गया है।

## सांख्यिकीय विश्लेषण

**$H_{1.0}$: शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यो के समय प्रबंधन में सार्थक अंतर नही पाया जाएगा।**

**तालिका कमांक –1**

**शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय प्राचार्यो के समय प्रबंधन प्राप्तांकों का विवरण।**

| समूह | नमूना (N) | मध्यमान | मानक विचलन (SD) | t - मूल्य | औसत अंतर (Mean Difference) |
|---|---|---|---|---|---|
| शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय | 45 | 200.7 | 51.4 | 0.211 | सार्थक नही पाया गया |
| अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय | 45 | 198.6 | 42.4 | | |
| ***df* = 88** | | | | | |

व्याख्याः तालिका से ज्ञात होता है कि शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों का औसत समय प्रबंधन का मध्यमान 200.7 तथा अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों का औसत समय प्रबंधन का मध्यमान 198.6 है प्राप्त टी–स्कोर 0.211 के आधार पर निर्धारित तालिका मूल्य से कम है। प्राप्त परिणामों की व्याख्या के आधार पर निष्कर्ष में शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यो के समय प्रबंधन में सार्थक अंतर नही पाया गया।अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार किया जाता है।

## निष्कर्ष

प्राप्त परिणाम,शासकीय एवं अशासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यो के समय प्रबंधन में सार्थक अंतर नही पाया जाना, प्राचार्यो की समय के प्रति प्रतिबद्वता को दर्शाता है। अर्थात प्राचार्य यह जानते है कि प्राप्त समय का कब?कहॉ? और कितना उपयोग किया जाए, जिसका सार्थक परिणाम प्राप्त हो। समय के बेहतर नियोजन से प्रभावी निर्णय के साथ कार्य तनाव निम्न स्तर का होता है, परिणाम स्वरुप विद्यालय में सार्वभौमिक वातावरण से शिक्षकों के कार्य के प्रति निष्ठा तथा विद्यार्थियों का शैक्षिक परिणाम उच्च पाया जाता है। शिक्षा विभाग द्वारा प्राचार्यो हेतु समय–समय पर आयोजित किये जाने वाले व्याख्यान एवं कार्यशाला उनके समय नियोजन में सार्थक भूमिका निभातें है।अतः यह कहा जा सकता है कि प्राचार्य के प्रभावी समय प्रबंधन रणनीति का सकारात्मक प्रभाव विद्यालय संगठन पर दृष्टिगोचर होता है।

## संदर्भित ग्रंथ

Ayeni, A. J. (2020).Principles instructional time management and students academic performance in Secondary School in Ondu North sensational district of onld state Nigeria. ***General of educational and learning (edulearn)***, 14(1), 123-133.

Demirbilek,N.(2022).Examination of the relationship between the decision-making styles and time management skill of school managers. ***International Journal of Eurasian education and culture***,7(19),2375-2388.

Fejoh,J. & at.all.(2018).Impact of Time Management and Decision making process on Effective Management***. KIU Journal of Social Sciences***, 4(2), 23-30.

Horng,E.L.,Klasik,D.& Loeb,S.(2010). Principal.Time use and school

effectiveness.***American Journal of Education***.116(4).

Hussain, K., Baksh, K.,Hazoor & Sabir, M. (2019). Time management practices and administrative satisfaction among higher secondary school principals in Punjab. ***General of managerial Sciences,***13(2),106 -116.

Khan, A.I.,Khan,A.U.& Khan,M. (2020). Relationship between time management practices and job satisfaction of secondary school teachers. ***Journal of educational research department of education iub Pakistan***, 23 (2),51-64.

Khan,I. A., Khan, U.A.,Syed, M. A.,& Naseer, M. (2015). The effect of training on principles time management practices a focus on time management area schools level locality and complexity please. ***Journal of Social Sciences winter.***

Mario,N.M.,Mariam,S.,Syed,A.H.&Jose,M.M.(2021).The relationship between time management work stress and work performance : A quantitative study in Portugal. ***Academy of strategic management general,*** 20(6),1-11.

Zeinuddine,Z.(2018). A study on the effectiveness of time management among secondary school principals in Damascus Governorate .***Dissertation of master of education***,1-112.